



‘राहुल की मुख्य समस्या है वे “हैंड्स ऑन” लीडर नहीं हैं’

और ना ही उनके पास ऐसे नेता हैं, जो भाजपा नेताओं जैसा माइक्रो मैनेजमेंट कर सकें और रणनीति बना सकें

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 18 नवम्बर। बिहार में मिली हार से ध्यान हटाने और यह दिखाने के लिए कि कांग्रेस नेतृत्व आने वाले साल में विभिन्न राज्यों में होने वाले चुनावों और उनसे जुड़े मुद्दों पर सक्रिय है, कांग्रेस ने आज एसआईआर पर एक बैठक की। इसमें उन 12 राज्यों के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों को बुलाया गया, जहाँ चुनाव आयोग ने एसआईआर लागू किया है।

बिहार में क्या गलत हुआ, किसकी जिम्मेदारी थी, किसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए-इन सवालों पर न तो कोई विश्लेषण हुआ, न आत्ममंथन, न तथ्य-जांच, न चिंतन-मनना ऐसा लग रहा है, मानो रात गई, बात गई वाला रवैया अपना लिया गया है।

बिहार के नेताओं को दिल्ली बुलाकर यह पूछने की भी जरूरत नहीं समझी गई कि वहाँ ऐसी स्थिति क्यों बनी और पार्टी 61 में से सिर्फ 6 सीटें ही क्यों जीत पाई। पीसीसी अध्यक्ष और

■ कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने तो यहाँ तक कहा कि कांग्रेस नेताओं में एसआईआर से निपटने के प्रति ना तो गंभीरता है ना ही इच्छा शक्ति। वे ध्यान भटकाने के लिए सिर्फ दिखावा करते हैं।

■ उक्त नेता ने कहा, ऐसे नेताओं की वजह से जिला स्तर पर सशक्त अध्यक्ष नियुक्त करने का राहुल का सपना भी बदहाल है। क्योंकि ये नेता खुद मैदान छोड़ना नहीं चाहते और ना ही नए लोगों को आगे आने देना चाहते हैं, वे सिर्फ अपने वफादारों को ही नियुक्त करवाना चाहते हैं, ताकि नियंत्रण उनके हाथों में रहे।

■ एसआईआर के मसले पर बुलाई गई 12 राज्यों के पार्टी पदाधिकारियों की बैठक से ऐसा लगता है कि कांग्रेस के लिए बिहार की हार “रात गई बात गई” की तरह है। बिहार की हार पर चिंतन मनन तो दूर बिहार के नेताओं को बुलाकर कारण तक नहीं पूछे गए।

सीएलपी अध्यक्ष दोनों चुनाव हार गए, जहाँ पूर्व पीसीसी अध्यक्ष, जिन्हें राहुल गांधी और उनकी टीम ने तेजस्वी यादव और आरजेडी के क़रीब होने के कारण

निशाना बनाया था, अब कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ बोल रहे हैं।

पार्टी ने तय किया है कि दिसंबर की शुरुआत में रामलीला मैदान में

एसआईआर मुद्दे पर एक बड़ी रैली की जाएगी।

जब मुकुल वासनिक ने निचले स्तर प्रभारी तक सभी स्तरों पर जवाबदेही तय करने की बात उठाई, तो कहा गया कि हाँ, यह किया जाना चाहिए।

ब्लॉक स्तर पर संगठन पूरी तरह बिखरा हुआ है, और संगठन को दुरुस्त करने की कोई कोशिश नहीं हुई है।

राहुल गांधी का सपना था कि ज़िले के अध्यक्ष पूरी ताकत और अधिकार के साथ नियुक्त हों, लेकिन यह सपना भी बदहाल अवस्था में है। राज्य के वरिष्ठ नेता मैदान छोड़ना नहीं चाहते और वे नए लोगों को आगे आने नहीं दे रहे। सभी ने मिलकर यही सुनिश्चित किया है कि उनके ही वफादारों को ग़द मिले, ताकि नियंत्रण उन्हीं के पास रहे।

एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, कांग्रेस नेताओं में एसआईआर के मसलों से निपटने का न तो विवेक है न ही गंभीरता और न ही इच्छा शक्ति, वे (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चिली की पूर्व राष्ट्रपति को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। चिली की पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता मिचैल बाचले को शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए 2024 का इंदिरा गांधी पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

पुरस्कार समारोह बुधवार को यहाँ जवाहर भवन राजेन्द्र प्रसाद रोड में आयोजित किया जाएगा। पुरस्कार के तहत 25 लाख रुपए की राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन की अध्यक्षता वाले

■ दिल्ली के जवाहर भवन में सोमवार को पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल ने प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता तथा चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिचैल बाचले को 2024 के इस पुरस्कार के लिये चुना था। उन्हें कल यहाँ अत्योजित समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। समारोह में कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित, कई प्रमुख नेताओं के मौजूद रहने की संभावना है।

बिहार में भाजपा विधायक दल के नेता का चुनाव आज

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संसदीय बोर्ड ने मंगलवार को बिहार में पार्टी विधायक दल का नेता चुनने के लिये वरिष्ठ पार्टी नेता और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पर्यवेक्षक, केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल और पूर्व केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजना ज्योति को

■ भाजपा संसदीय बोर्ड ने केशव प्रसाद मौर्य को पर्यवेक्षक नियुक्त किया।।

सह पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इन तीनों नेताओं की मौजूदगी में बुधवार को पटना में भाजपा दल का नेता चुना जाएगा। ज्ञात रहे कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 89 सीटें जीती है।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा के विधायक दल की बैठक बुधवार को होगी। इसके बाद केन्द्रीय पर्यवेक्षक केशव प्रसाद मौर्य और सह पर्यवेक्षक अर्जुन मेघवाल और ज्योति निरंजना की मौजूदगी में विधायक दल का नेता चुना जाएगा। इन नेताओं को बिहार भाजपा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘अमेरिका के साथ ट्रेड एग्रीमेंट में जल्दी ही “गुड न्यूज़” मिल सकती है’

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इण्डो यूएस इकोनॉमिक समिट को संबोधित करते हुए दावा किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 18 नवंबर। अमेरिका से लंबे समय तक एलपीजी खरीदने पर सहमति बनने के बाद, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज उम्मीद जताई कि भारत जल्द ही संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर अच्छी खबर सुना सकता है। उन्होंने सावधानी बरतते हुए कहा कि यह तभी होगा, जब यह समझौता न्यायसंगत, उचित और संतुलित होगा।

सूत्रों ने बताया कि अमेरिकी बाजार से एलपीजी खरीदने की भारत की सहमति के बाद शीघ्र ही व्यापार समझौते की संभावना बढ़ गई है, लेकिन अभी भी कई अड़चनें बनी हुई हैं, क्योंकि मोदी सरकार पर अमेरिका के कृषि और डेयरी उत्पादों के लिए घरेलू बाजार खोलने का भारी दबाव है। गोयल ने जोर देकर कहा कि इस समझौते में किसानों और मछुआरों के

■ इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में उन्होंने यह भी कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत को अपने किसानों, मछुआरों के हितों की सुरक्षा करनी होगी, जैसे ही कोई संतुलित व निष्पक्ष समझौता होगा, उसे फाइनल कर दिया जाएगा।

■ सूत्रों ने कहा कि अमेरिका से एलपीजी खरीदने की डील होने के बाद ट्रेड डील की संभावना बढ़ गई है। पर, अब भी इसमें कई किंतु-परन्तु हैं, क्योंकि मोदी सरकार पर अमेरिका का भारी दबाव है, कृषि व डेयरी सेंक्टर खोलने के लिए।

■ भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों पर भी गोयल ने कहा कि परिवार में कभी-कभी थोड़ी बहुत नोक-झोंक होती रहती है।

हित सुरक्षित रखे जाएंगे। उन्होंने कहा, “व्यापार समझौते के लिए बातचीत एक प्रक्रिया है और भारत को, एक राष्ट्र के रूप में, किसानों, मछुआरों और छोटे उद्योगों के हितों की रक्षा करनी ही होगी।”

इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित इंडो-यूएस आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने विस्तार से बताया कि “भारत को एक राष्ट्र के रूप में, अपने हितों की रक्षा करनी ही है, अपने सभी हितधारकों

और कारोबारों के हितों की सुरक्षा करनी है और इसे किसानों, मछुआरों और छोटे उद्योगों के प्रति संवेदनशीलता के साथ संतुलित रखना है।”

उन्होंने कहा कि “जब हमें सही संतुलन मिल जाएगा, तब निश्चित रूप से अच्छे नतीजे मिलेंगे। जब यह समझौता न्यायसंगत, उचित और संतुलित हो जाएगा, तब आपको अच्छी खबर सुनने को मिलेगी।”

भारत और अमेरिका मार्च से इस प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं और अब तक छह दौर की चर्चा पूरी हो चुकी है।

गोयल ने भरोसा दिलाया कि भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर चिंता की कोई वजह नहीं है। गोयल ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के भारत के प्रति दबाव बनाने वाले तथा अपमानजनक रवैये को हल्का करने की कोशिश करते हुए कहा, “परिवार में कभी-कभी थोड़ी बहुत नोक-झोंक हो (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी से मिले पुतिन के सहायक

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अगले महीने भारत यात्रा पर आने से पहले, उनके सहायक और रूसी समुद्री बोर्ड के अध्यक्ष निकोलाई पाव्लोव ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र

■ प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर मुलाकात का जिक्र किया और कहा कि वे पुतिन से मिलने को उत्सुक हैं जो अगले माह भारत आ रहे हैं।

मोदी से मुलाकात की। इस भेंट के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, “राष्ट्रपति के सहयोगी और रूस के समुद्री बोर्ड के अध्यक्ष निकोलाई पाव्लोव का स्वागत करते हुए मुझे प्रसन्नता हुई। हमने समुद्री क्षेत्र में सहयोग पर उपयोगी चर्चा की, जिसमें संपर्क, कौशल विकास, जहाज निर्माण और नौती अर्थव्यवस्था में सहयोग के नए अवसर शामिल थे।”

अल फलाह ग्रुप का मालिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। ईडी ने मंगलावर को अल फलाह ग्रुप के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएएमएल), 2002 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई अल फलाह से जुड़े परिसरों पर हाल ही में हुई सर्च कार्रवाई के दौरान मिले

■ ईडी ने अल फलाह ग्रुप के खिलाफ जावेद सिद्दीकी को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार किया।

सबूतों और विस्तृत जांच के आधार पर की गई है। यह मामला ईडी द्वारा दर्ज ईसीआईआर से जुड़ा है, जिसकी जांच इन दिनों जारी है।

ईडी ने अल फलाह ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई को एफआईआर के आधार पर शुरू की थी, जो दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दर्ज की थी। इन एफआईआर में आरोप है कि फरीदाबाद (शेष अंतिम पृष्ठ पर)